

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4241 E
Unique Paper Code : 12275401
Name of the Paper : Indian Economy II
Name of the Course : Generic Elective (GE) for
Hons. Courses (CBCS)
Semester : IV
Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answer any five questions.
3. All questions carry equal marks, 15 marks each.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें ।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं, प्रत्येक के लिए 15 अंक ।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. What are the 'Four Balance Sheet Challenges' which Indian economy had faced during the Great Slowdown? Mention any five measures to overcome this slowdown.

महान मंदी के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था को जिन 'चार बैलेंस शीट चुनौतियों' का सामना करना पड़ा, वे क्या हैं? इस मंदी को दूर करने के लिए अरविन्द सुब्रमण्यम और फेलमैन द्वारा सुझाए गए किन्हीं पाँच उपायों का उल्लेख कीजिए।

2. "The biggest challenges that India's Foreign Trade faces today are from within the country". Elaborate. What are the steps that need to be taken to improve the performance of the foreign trade of India.

"आज भारत के विदेश व्यापार के सामने सबसे बड़ी चुनौतियाँ देश के भीतर से हैं"। विस्तार से बताएं। भारत के विदेशी व्यापार के प्रदर्शन में सुधार के लिए कौन से कदम उठाए जाने की आवश्यकता है?

3. "Agricultural growth without inclusiveness and sustainability is not useful". In the light of this statement explain the challenges and policy imperatives in achieving these three goals of agricultural development.

"समावेशीता और स्थिरता के बिना कृषि विकास उपयोगी नहीं है"। इस कथन के आलोक में कृषि विकास के इन तीन लक्ष्यों को प्राप्त करने में आने वाली चुनौतियों और नीतिगत अनिवार्यताओं की व्याख्या कीजिए।

4. Critically examine the three agricultural laws related to marketing and pricing enacted in 2020 by the central government to raise the production and productivity in Agricultural sector.

कृषि क्षेत्र में उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा 2020 में बनाए गए विपणन और मूल्य निर्धारण से संबंधित तीन कृषि कानूनों की आलोचनात्मक जांच करें?

5. Do you think that Indian manufacturing sector has failed to generate employment in the Indian economy? Give reasons. Elaborate a comprehensive plan to improvise the functioning of the labour markets in India.

क्या आपको लगता है कि भारतीय विनिर्माण भारतीय अर्थव्यवस्था में रोजगार पैदा करने में विफल रहा है? कारण बताएं। भारत में श्रम बाजारों के कामकाज को सुधारने के लिए एक व्यापक योजना को विस्तार से बताएं।

6. What are the major benefits of Foreign Direct Investment (FDI) in the development of the Indian economy? What government policies have been suggested to increase FDI inflows to India?

भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) के प्रमुख लाभ क्या हैं? भारत में FDI का प्रवाह बढ़ाने के लिए किन सरकारी नीतियों का सुझाव दिया गया है।

7. Elaborate how the service sector has played an important role in enabling the improved-economic performance during the post-reform period. How Covid-19 pandemic has created the new opportunities and challenges for service sector of India?

विस्तार से बताएं कि सुधार के बाद की अवधि के दौरान बेहतर आर्थिक प्रदर्शन को सक्षम करने में सेवा क्षेत्र ने कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। किस तरह कोविड-19 महामारी ने भारत के सेवा क्षेत्र के लिए नए अवसर और चुनौतियां पैदा की हैं?

8. Write short notes on any two of the following :

- (i) Liberalisation of Services in India
- (ii) FPI Inflows and their Impact
- (iii) Non-Price Factors Affecting Agricultural Growth
- (iv) Service Linkages and Value-Added contribution to the Economy
- (v) Multitude of Labour Laws

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

- (i) भारत में सेवाओं का उदारीकरण
- (ii) FPI प्रवाह और उनका प्रभाव
- (iii) कृषि विकास को प्रभावित करने वाला गैर-मूल्य कारक
- (iv) सेवा लिंकेज और अर्थव्यवस्था में मूल्यवर्धित योग
- (v) श्रम कानूनों की बहुलता